हे गणनायक सब सुखदायक | By P R Swami |

हे गणनायक सब सुखदायक
करो विघ्न सब दूर
शरण तेरी आए हैं

रणत भँवर गढ़ वास करो
ऋद्धि सिद्धि भंडार भरो
प्रथम निमंत्रण स्वीकारो
अटके कार्य सिद्ध करो
शिव गिरजा के कुँवर लाडला
आस हमारी पूर
शरण तेरी आए हैं
हे गणनायक सब सुखदायक
करो विघ्न सब दूर
शरण तेरी आए हैं

स्वर्ण छत्र सिर पर धारी
शोभित मुकुट छटा न्यारी
चमक रहे कुण्डल भारी
मणि माला लागे प्यारी
रत्न जड़ित पहने पैंजनियाँ
नैनन बरसे नूर
शरण तेरी आए हैं
हे गणनायक सब सुखदायक
करो विघ्न सब दूर
शरण तेरी आए हैं

मखमल वस्त्र बदन सोहे
कुमकुम तिलक नयन मोहे
माँ जगदम्बा लाड़ करे
थुमक थुमक कर नृत्य करे
सुर किन्नर यशगान सुनावें
दर्शन दो भरपूर
शरण तेरी आए हैं
हे गणनायक सब सुखदायक
करो विघ्न सब दूर
शरण तेरी आए हैं

मूषक वाहन है तेरा
सूंड निराली सोहे है
ऐसा अनूपम रूप तेरा
देखत ही मन मोहे है
बुद्धि बल से सब देवन का
किया मान मद चूर
शरण तेरी आए हैं

हे गणनायक सब सुखदायक
करो विघ्न सब दूर

शरण तेरी आए हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%95-%e0%a4%b8%e0%a4%ac-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%96%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%95-by-p-r-swami/